कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल
त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम (बी. ए.)
भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
सत्रः 2019- 2020 से प्रभावी

पाठ्यक्रम का स्वरूप:

1. पाठ्यक्रम तीन वर्षों में विभक्त रहेगा जिसमे प्रत्येक वर्ष दो लिखित परीक्षाएं होंगी।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र प्रत्येक वर्ष 40 अंकों का होगा ।
3. प्रत्येक सैधांतिक प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त रहेगा खंड (अ) लघु उत्तरीय प्रश्न खंड (ब) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न ।
4. प्रश्नपत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सम्मिलित किया जाएगा।
5. प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 70 अंक निर्धारित किए जाएँगे।
6. प्रयोगात्मक परीक्षा वाह्य तथा आतंरिक दोनों परीक्षकों द्वारा ली जाएगी।

महत्वपूर्ण निर्देशः- भारतीय संगीत शास्त्र (कंठ संगीत) के विद्यार्थियों के लिए दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र एवं एक प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा अनिवार्य है।

1. सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्न पत्र - संगीत विज्ञान	**पूर्णांक - 40**
2. सैद्धान्तिक द्वितीय प्रश्न पत्र - रागों एवं तालों का अध्ययन	**पूर्णांक - 40**
3. क्रियात्म्क परीक्षा -	**पूर्णांक - 70**
प्रथम क्रियात्मक परीक्षा	**अंक - 40**
द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा	**अंक - 30**

नोट: (अंक विभाजन विश्वविद्यालय की यूनिफ़ॉर्म पॉलिसी के अनुसार निर्धारित होगा)

भारतीय संगीत शास्त्र

कंठ संगीत

बी. ए. प्रथम वर्ष

सत्रः 2019- 2020 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान **पूर्णांक - 40**

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान – श्रुतियाँ, भरत के स्वर स्थान, सोमनाथ और भातखण्डे द्वारा विभिन्न श्रुतियों पर स्थापित सप्तक के स्वर स्थान।

2. पं. अहोबल और श्रीनिवास द्वारा वीणा पर स्वर स्थापन के सिद्धान्त।

3. सप्तक के विभिन्न स्वरों में सांगीतिक स्वरान्तर, मेजरटोन , माइनर टोन, सेमीटोन।

4. ध्रुपद एवं ख़याल का संक्षिप्त इतिहास।

5. ग्राम , जाति गायन, मूर्च्छना, न्यास, सन्यास, विन्यास, स्वस्थान नियम।

6.संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।

द्वितीय प्रश्न पत्र रागों और तालों का अध्ययन **पूर्णांक- 40**

1.शुद्ध, छायालग और संकीर्ण राग, गीत, गान्धर्व, गान, देशी तथा मार्गी संगीत का ज्ञान।

2.अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़ एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत तथा तुलनात्मक अध्ययन- भैरव, भूपाली, यमन, दुर्गा, वृन्दावनी सांरग, बिहाग।

3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षणगीत स्वरलिपि सहित लिखने का अभ्यास।

4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागो में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता ।

5. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।

6. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चैगुन की लयकारी में लिखने की क्षमता- तीनताल, झपताल, चारताल, तिलवाड़ा।

7. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन- स्वामी हरिदास, सदारंग, अदारंग, पं विष्णु नारायण भातखंडे, अमीर खुसरो ।

8. दिए गए किन्हीं दो स्वर-समूहों की राग पहचान एवं उन रागों का सम्पूर्ण परिचय।

क्रियात्मक परीक्षा **पूर्णांक 70**

प्रथम प्रश्न पत्र **अंक - 40**

1.अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- भैरव, भूपाली, यमन, दुर्गा, वृन्दावनी सांरग, बिहाग।।

2.पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित सहित गाने का अभ्यास।

3.पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षणगीत।

4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

5.पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

6.पाठ्यक्रम के किसी एक राग में भजन एवं तराना गाने का अभ्यास।

7.अधोलिखित तालों का ज्ञान - तीनलाल , झपताल, चारताल, तिलवाड़ा।

8. पाठ्यक्रम के रागों को पहचानने कि क्षमता।

द्वितीय प्रश्न पत्र- मौखिक परीक्षा **अंक-30**

भारतीय संगीत शास्त्र

कंठ संगीत

बी.ए. द्वितीय वर्ष

सत्रः 2019- 20 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान **पूर्णांक- 40**

1.भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

2. प्राचीन तथा मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

3. उत्तर भारतीय तथा दक्षिण भारतीय संगीत के स्वरों और तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

4. हारमनी एवं मैलोडी में अन्तर।

5. ध्रुपद, धमार, ख्याल, टप्पा, ठुमरी गायन शैलियों का विस्तृत अध्ययन।

6. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन **पूर्णांक 40**

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, रागालाप, रूपकालाप, आलप्तिगान, अल्पत्व एंव बहुत्व आविर्भाव- तिरोभाव, आलाप का स्वथान नियम, आधुनिक आलाप गायन, त्रिवट एवं चतुरंग।

2. राग वर्गीकरण का सविस्तार अध्ययन ।

3. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़ एवं मुख्य स्वर तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन – देस, भीमपलासी, खमाज, भैरवी, कामोद, विभास, देसकार, बागेश्री ।

4. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षणगीत।

5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप , तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता ।

6. ध्रुपद तथा धमार को दुगुन, तिगुन और चौगुन सहित स्वरलिपि में लिखना ।

7. अधोलिखित तालों को उनके ठेके सहित उनके दुगुन, तिगुन और चैगुन की लयकारी में लिखने की क्षमता- कहरवा रूपक, धमार, सूलताल ।

8. दिए गए किन्हीं दो स्वर-समूहों की राग पहचान एवं उन रागों का सम्पूर्ण परिचय।

9. निम्निलिखत संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन- तानसेन, पं.विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पं ओंकारनाथ ठाकुर, भीमसेन जोशी।

क्रियात्मक परीक्षा **पूर्णांक70**

प्रथम प्रश्न पत्र **अंक 40**

1.अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल - देस, भीमपलासी, खमाज, भैरवी, कामोद, विभास, देसकार, बागेश्री।

2.पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित गाने का अभ्यास।

3.पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षणगीत।

4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

5. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

6. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में भजन एवं तराना गाने का अभ्यास।

7. अधोलिखित तालों का ज्ञान आवश्यक- कहरवा, रूपक, धमार, सूलताल।

8. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में उपशास्त्रीय भजन, होरी, गीत इत्यादि गाने का अभ्यास।

9. दिए गए किन्हीं दो स्वर-समूहों की राग पहचान एवं उन रागों का सम्पूर्ण परिचय।

द्वितीय प्रश्न पत्र - मौखिक परीक्षा **अंक - 30**

भारतीय संगीत शास्त्र

कंठ संगीत

बी. ए. तृतीय वर्ष

सत्रः 2019- 2020 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान **पूर्णांक - 40**

1. आधुनिक भारतीय संगीत का सविस्तार अध्ययन एवं इस काल के संगीत उद्धारकों की देन।

2.संगीत गायन के घरानों का सामान्य अध्ययन:- ग्वालियर घराना, आगरा घराना, किराना घराना, जयपुर घराना।

3.पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान ।

4.पाश्चात्य संगीत सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान-

पाश्चात्य संगीत में टाइम सिगनेचर (Time Signature), स्केल (Scale), स्वर सप्तक, कार्ड (Chord)।

5.भारतीय संगीत में सांगीतिक और असांगीतिक ध्वनियों एवं प्रतिध्वनि का अध्ययन।

6. प्रबन्ध शैली का विस्तृत परिचय।

7. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों औरं तालों का अध्ययन **पूर्णांक- 40**

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- नायक, गायक ,गन्धर्व, संगीत शास्त्रकार, संगीत शिक्षक, वाग्गेयकार, कलावन्त।

2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़ एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन- मालकौंस, जैजैवंती, केदार, जौनपुरी, मियांमल्हार, दरबारी कान्हड़ा, गौड़सारंग, मियां की तोड़ी।

3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।

4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता ।

5. ध्रुपद एवं धमार का दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित स्वर लिपि में लिखना।

6. अधोलिखित तालों को ठेके सहित दुगुन, तिगुन तथा चैगुन में लिखना- आड़ा चौताल, पंजाबी, झूमरा, दीपचंदी ।

7. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन- पं. शारंगदेव, आचार्य कैलाश चन्द्रदेव बृहस्पति, उस्ताद अब्दुल करीम खां, उस्ताद फैयाज़ खां, उस्ताद अमीर खां।

8. दिए गए किन्हीं दो स्वर-समूहों की राग पहचान एवं उन रागों का सम्पूर्ण परिचय।

क्रियात्मक परीक्षा **पूर्णांक-70**

प्रथम प्रश्न पत्र **अंक -40**

1.अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- मालकौंस, जैजैवंती, केदार, जौनपुरी, मियांमल्हार, दरबारी कान्हड़ा, गौड़सारंग, मियां की तोड़ी।

2.पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में एक विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित।

3.पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षणगीत।

4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

5.पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।

4.पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में तराना एवं भजन गाने का अभ्यास ।

5.पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में एक विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित।

6. अधोलिखित तालों का ज्ञान दुगुन, तिगुन, चैगुन की लयकारियों सहित-पंजाबी, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी।

7. दिए गए किन्हीं दो स्वर-समूहों की राग पहचान एवं उन रागों का सम्पूर्ण परिचय।

द्वितीय प्रश्न पत्र- मौखिक परीक्षा **अंक - 30**